

28.7.25

प्राधान्य देना है। अभिभावक जर्मी  
अभिरुचन। रेसोरेखाने गर्भनाम पुत्र पर  
बहस सुनी गई। गर्भनाम पुत्र व प्राणव  
पुत्र तथा बहस के आधार पर न्यायवैत  
के गर्भनाम पुत्र स्वीकार कर आदेश  
दिनांक 21.7.2025 को प्रसिद्ध किया  
जाकर अभी तक रेसोरेखाने किया जाना  
है। रेसोरेखाने गर्भनाम पुत्र नाम के  
कम दोकर भूल अभी तक साक्ष्य प्रस्तुत  
है।

101C  
अभिरुचन रेसोरेखाने  
दीखाने